नेटवर्क की समस्या से जूझ रहे उपभोक्ता, दो दिन से व्यवस्था बेहाल

✷ नगर के साथ ग्रामीण अंचल में भी नेटवर्क की समस्या

जगदलपुर, 03 दिसंबर (दण्डकारण्य समाचार)। नगर सहित बस्तर में पिछले कुछ दिनों से मोबाईल नेटवर्क सेवा का हाल बेहाल है। इसके बावजूद इसके संबंधित कंपनियों द्वारा नेटवर्क की समस्या को दूर करने का प्रयास ही नहीं किया जा रहा है। यह समस्या पिछले कई महीनों से बनी हुईं है, लेकिन 2-3 दिनों से परेशानी बढ़ गया है। इसके चलते मोबाइल उपभोक्ता काफी परेशान है। उपभोक्ता नेटवर्क की समस्या के चलते मोबाइल सेवा का लाभ नहीं ले पा रहे है। हालात ये है कि फोन पर बात करते समय कई बार फोन कट जाता है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के साथ ही बस्तर संभाग के सभी ग्रामीण अंचल में मोबाइल नेटवर्क सेवा का हाल बेहाल है। नेटवर्क की सुविधा पटरी से उतर गई है। कहने को तो नगर में बीएसएनएल, एयरटेल, और जियो के बड़े-बड़े टावर तो लगे है लेकिन उसके बावजूद जिले में नेटवर्क के मामले में थोथा चना बाजे घना की कहावत चरितार्थ हो रही है। सबसे ज्यादा परेशानी सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में हैं जहां बिजली कटने के बाद तो नेटवर्क मोबाइल का साथ पूरी तरह छोड़ देता है। इससे परेशान ग्रामीण समय-समय पर कम्पनी बदलते को मजबूर हैं। उपभोक्ताओं को बात करने के लिए कई बार काल लगानी पड़ रही है, जिससे उपभोक्ताओं में रोष पनप रहा है। सबसे ज्यादा बेहाल बीएसएनएल मोबाइल उपभोक्ताओ की है।

डाटा पैक में बेहताशा हुई वृद्धि

मोबाइल उपभोक्ताओ ने बताया कि सभी कंपनियों के टावर इंटरनेट, डाटा पैक की कीमत में बेतहासा वृद्धि कर दी गई है और सुविधाएं नाम मात्र की भी नहीं मिल पा रही है। इस प्रकार मोबाइल कंपनी सीधे ग्राहकों के जेब पर डाका डाल रही है। जब अधिक कीमत पर डाटा पैक सभी कंपनीया दे रही है और सुविधाएं नहीं दे पा रही है तो इनका क्या औचित्य रह जाता है। खराब नेटवर्क की समस्या के कारण उपभोक्ताओं ने सभी मोबाइल कंपनियों से नेटवर्क की समस्या दूर करने की मांग की है।

मोबाइल नेटवर्क की समस्या बढ़ी

नगर विनोद, राजेंद्र ठाकुर और गुड़िया ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से मोबाईल नेटवर्क की समस्या से जूझ रहे हैं। मोबाईल कंपनियों द्वारा बड़े-बड़े टॉवर लगाकर भी कंज़ूमर को सुविधा नहीं दे पा रहे है। यहां तो भारत संचार विभाग का ऑफिस भी भगवान भरोसे संचालित है।

1269 स्कूली बच्चों को लौटाई गई नेत्र ज्योति

✷ स्वास्थ्य विभाग ने 650 स्कूल के 56 हजार स्कूली बच्चों के आंखों का किया टेस्ट

जगदलपुर, 03 दिसंबर (दण्डकारण्य समाचार)। स्कूली बच्चों में नेत्र रोग की समस्या बढ़ती जा रही है। मोबाइल और टीवी के अत्याधिक उपयोग से बच्चों में कई दुष्प्रभाव भी देखने को मिल रहें है। पढ़ाई को आसान बनाने के लिए टेक्नोलॉजी का जमकर इस्तेमाल हो रहा है। लेकिन यह टेक्नॉलॉजी बच्चों के लिए घातक भी साबित हो रही है। जिले में इसका ताजा उदाहरण देखने को मिला है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले के 650 स्कूल के लगभग 56 हजार स्कूली बच्चों के आंखों का टेस्ट नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा किया गया जिसमें दृष्टि दोष के साथ ही 1269 बच्चों में मोतियाबिंद पाया गया। इन बच्चों का ऑपरेशन कर नेत्र ज्योति लोटाई गई।

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार कलेक्टर बस्तर के निर्देश पर जिले के सातों ब्लाक के मिडिल स्कूल के बच्चों की जांच की गई। जिले के 650 स्कूल के लगभग 56 हजार स्कूली बच्चों के आंखों का परीक्षण किया गया। इनमें दृष्टि दोष के साथ ही 1269 बच्चों में मोतियाबिंद पाया गया। जिला चिकित्सालय के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ सरिता थॉमस ने इस पर चिंता जाहिर करते हुए उन्होंने बताया कि मोतियाबिंद का अगर सही समय पर इलाज न हो तो आंखों की रोशनी हमेशा के लिए खत्म कर देता है और व्यक्ति की आंखों में अंधेरा छा जाता है। पहले बुजुर्गों या अधिक उम्र के लोगों को होने वाला यह रोग अब छोटे स्कूली बच्चों को भी अपना शिकार बना रहा है। उन्होंने बच्चों व पालकों को मोबाइल व टेलीविजन के सकारात्म व कम से कम उपयोग करने की अपील की है।

बच्चों में मोतियाबिंद होने की ये हैं वजहें

मोतियाबिंद आनुवांशिक रूप से भी होता है। अगर परिवार में किसी को सफेद मोतिया है तो बच्चे को भी मोतिया होने की संभावना होती है। विकिरण या रेडिएशन के अधिक संपर्क व प्रभाव में आने से भी मोतियाबिंद होने का खतरा होता है। अगर किसी मरीज को डाउन सिंड्रोम आदि बीमारियां हैं, उस स्थिति में भी यह बीमारी हो सकती है। बच्चों में संक्रमण, कुछ दवाएं जैसे स्टेरॉयड आदि की ज्यादा मात्रा लेने पर भी केटरेक्ट होने की संभावना होती है। गर्भावस्था में महिला को रूबेला या चिकनपॉक्स जैसे संक्रमण होने पर बच्चे को आंख में रोग होने का खतरा होता है। बचपन में बच्चे की आंख में कोई चोट लगने, गांठ बनने या आघात होने से भी सफेद मोतिया हो जाता है।

विटामिन सी युक्त भोजन लेने की दी सलाह

इस दौरान डॉक्टरों ने बच्चो और पालकों को बच्चों के।सेहत पर ध्यान रखने की सलाह दी। टीवी, कंप्यूटर, मोबाइल फोन के स्क्रीन से कुछ-कुछ देर का ब्रेक लेते रहें, ताकि आंखों की अच्छी सेहत बरकरार रखी जा सकें। बच्चों के खानपान का पूरा ध्यान रखें। बच्चों को विटामिन सी से भरपूर आंवला, बादाम, गाजर, शकरकंद जैसी चीजें रोज खाने को दें। समय-समय पर बच्चों की आंखों को टेस्ट कराते रहे। जिससे किसी बड़ी परेशानी का सामना न करना पड़े।

38 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

✷ जप्त अंग्रेजी शराब का बाजार मूल्य 2 लाख 56 हजार रुपए

जगदलपुर, 03 दिसंबर (दण्डकारण्य समाचार)। अवैध शराब पर रोकथाम लगाने की कारवाही में बकावंड पुलिस टीम को बड़ी सफलता मिली है। बकावंड पुलिस को जानकारी मिली कि ग्राम करंजी कुरलुमारी पारा के पास जंगल से लगा हुआ लाड़ी कोठार में ग्राम खोटलापारा के डोमन नेताम व आयतु कश्यप दोनों साथ मिलकर उक्त लाड़ी कोठार में गोवा विस्की अंग्रेजी शराब को अपने संयुक्त कब्जे मे रखकर ग्राहकों को बिक्री कर रहे है। इस सूचना पर विधिवत ग्राम करंजी कुरलुमारी पारा के पास जंगल से लगा हुआ लाड़ी कोठार में घेराबंदी कर छापामार कार्यवाही किया गया। जहां लाड़ी कोठार में 02 व्यक्ति मिले जिनको नाम डोमन नेताम और आयतु कश्यप है। दोनों आरोपियों से सूचना तस्दीकी के संबंध में विधिवत तलाशी लेने पर दोनों आरोपियों के कब्जे से 38 पेटी लगभग 342.000 लीटर एवं कुल कीमती 2,56,000 रू की अवैध शराब जप्त की गई और आरोपियों के खिलाफ थाना बकावंड में अपराध क 68/2024 धारा 34 (2), 59 (ए). 36 आबकारी एक्ट कायम कर दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया।

दिव्या अग्रवाल ने किया देश का नाम रोशन

✷ ईस्ट एशिया म्यु थाई चैम्यिनशिप में जीता कांस्य पदक

जगदलपुर, 03 दिसंबर (दण्डकारण्य समाचार)। ईस्ट एशिया म्यू थाई चैंपियनशिप हॉगकॉग में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहीं छत्तीसगढ की बेटी दिव्या अग्रवाल ने काँस्य पदक अपने नाम कर अपने देश व राज्य का नाम रोशन किया है।

ढ्ढह्रस्ट से मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय म्यू थाई संस्था ढ्ढस्नरू और एशियाई संस्था स्नरू के तत्वावधान में हॉगकॉग में आयोजित ईस्ट एशिया म्यू थाई चैंपियनशिप में यूनाइटेड म्यू थाई एसोसिएशन इण्डिया (रूढ्ढ) के माध्यम से भारत का प्रतिनिधित्व कर रही ÷ब्लू कॉर्नर÷ से छत्तीसगढ़ की बेटी कु. दिव्या अग्रवाल का सेमीफाइनल में रेड कार्नर से हॉगकॉग की खिलाड़ी होई ई वॉन्ग (॥शद्ब 4द्ब ङ्खशठ्ठद्द) से मुकाबला हुआ।

फाइनल प्रवेश के लिए जोर आजमाइश करते बगैर चेस्ट गार्ड के खेले जाने वाले फुल कॉन्टैक्ट गेम में दोनो महिला खिलाड़ियों ने पूरा जोर लगा दिया। पंच, किक, नी, एल्बो के विभिन्न अनवरत वार करते हुए दोनो खिलाड़ी जबरदस्त खेल रहे थे। किन्तु भारत की दिव्या अग्रवाल को दो कॉउंट मिलने के बाद ÷प्लेयर सेफ्टी÷ पॉवर का उपयोग करते हुए सेन्टर रेफरी ने मुकाबला वही रोक हॉगकॉग की खिलाड़ी को विजेता घोषित किया और दिव्या अग्रवाल को काँस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

संविधान में किसी के प्रति भेदभाव नहीं किया गया है तथा सभी को एक समान अधिकार दिया गया है - न्यायाधीश जगमोहन

जगदलपुर 03 दिसंबर (दण्डकारण्य समाचार)। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जगदलपुर में 26 नवंबर को विधि विभाग द्वारा आयोजित संविधान दिवस पर जगदलपुर जिला एवं सत्र न्यायालय से न्यायधीश जगमोहन पटेल मुख्य अतिथि के रूप में एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में न्यायधीश राहुल श्रॉफ उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो रानू मेश्राम ने की। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात मुंबई के होटल में हुए आतंकी हमले में मारे गए वीर शाहिद जवानों को याद करते हुए दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य अतिथि द्वारा समस्त प्राध्यापकों एवं छात्रों को संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया गया।

मुख्य अतिथि न्यायधीश जगमोहन पटेल ने कहा कि संविधान एक ऐसा विधान है जिसमें सभी विधान समाहित रहते हैंए इसमें किसी के प्रति की भेद भाव नहीं किया गया है तथा सभी को मानव एक समान समझकर एक समान अधिकार प्रदान किए गए।

कोई भी जातिएधर्म भाषा बोली या किसी भी क्षेत्र का हो सभी को एक समान संरक्षण प्रदान करता है। यदि विधायिका द्वारा कोई विधि ऐसी बनाई जिससे संविधान के किसी प्रावधान के उल्लंघन होता है तो न्यायालय उसको शून्य घोषित कर सकते है।

स्व.मोहनलाल नाग स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता के ट्रॉफी पर कस्तूरी टीम का कब्जा

✷ मारकेल की टीम रही उपविजेता

जगदलपुर 03 दिसंबर (दण्डकारण्य समाचार)। विहिप बजरंग दल नगरनार प्रखंड ग्राम समिति मोरठपाल के तत्वाधान में स्वर्गीय मोहनलाल नाग पूर्व प्रखंड सहसंयोजक बजरंग दल के स्मृति में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रतियोगिता का फाइनल मैच मारकेल और कस्तूरी के बीच खेला गया । कस्तुरी ने मारकेल टीम को पराजित कर ट्राफी पर कब्जा किया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार आकर्षक कब के साथ 31000 रुए कस्तूरी टीम को प्रदान किया गया। द्वितीय पुरस्कार उपविजेता मार्केट टीम को 15000 रु और ट्राफि प्रदान किया गया स इस क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ 21 नवबंर को हुआ था। प्रतियोगिता में 16 टीम ने भाग लिया। पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे विहिप जिला अध्यक्ष हरि साहू ने कहा कि विहिप पदाधिकारी रहे बजरंगी स्व मोहन लाल की स्मृति में क्रिकेट का आयोजन किया गया। युवाओं को खेल के प्रति रुचि लाना और प्रोत्साहित करना इसका मूल उद्देश्य था खेल से शारीरिक और व्यक्तित्व का विकास होता है श्री साहू ने कहा कि अभी नगरनार प्रखंड में विहिप द्वारा एक सांसद कप क्रिकेट प्रतियोगिता चल रही है साथ ही कबड्डी व बालीवाल की प्रतियोगिता की तैयारी की जा रही है।

सेवानिवृत्त हो रहे 11 कर्मचारियों को पीपीओ प्रदान

जगदलपुर, 3 दिसंबर (दण्डकारण्य समाचार)। प्रत्येक माह सेवानिवृत्त होने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को माह के अंतिम कार्य दिवस में पेंशन प्राधिकार पत्र का प्रदान करने संबंधी राज्य शासन के निर्देशानुसार शुक्रवार को जिला पंचायत सीईओ प्रतिष्ठा ममगाईं द्वारा नवम्बर माह में जिला बस्तर अंतर्गत सेवानिवृत्त हो रहे 18 में से 11 कर्मचारियों को पीपीओ प्रदान कर उनको सम्मानित किया गया । इस अवसर पर संयुक्त संचालक कोष लेखा एवं पेंशन कमलेश रायस्त, वरिष्ठ कोषालय अधिकारी संजय सोनवानी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।

विश्व एड्स दिवस पर सही रास्ता अपनाएं मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार, थीम पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम

जगदलपुर, 03 दिसंबर (दण्डकारण्य समाचार)। संस्था बस्तर सामाजिक जन विकास समिति लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना टकर्स, माइग्रेंट, म.यौ.क. के तहत प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 1 दिसंबर 2024 विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष में ग्राम सेमरा डोंगरीगुड़ा पारा में जन जागरूकता कार्यक्रम किया गया, जिसका उद्देश्य इस भयावह संक्रमण के प्रति लोगों को जागरूक करना है। विश्व एड्स दिवस हर वर्ष एक थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष 2024 का थीम सही रास्ता अपनाएं मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार है, रही। विश्व एड्स दिवस पर आइए हम जागरूकता फैलाएं और दूसरों को भी इस बीमारी से सुरक्षित रहने की प्रेरणा दें, जो समाज में फैले असमानताओं को दूर कर एचआईवी एड्स को जड़ से खत्म करने में मदद के लिए जरूरी कदम बढ़ाने पर जोर देना है, व एचआईवी एड्स के साथ जी रहे लोगों के साथ भेदभाव व सामाजिक बहिष्कार करने के बजाय, उनके साथ अच्छा व्यवहार करना, तथा एकजुटता के साथ इस बीमारी को मात देना है,सभी ने ये संकल्प लिया।

कार्यक्रम संचालन में संस्था बस्तर सामाजिक जन विकास समिति के संस्था संचालक सुशील कुमार पांडेय के नेतृत्व व दिशानिर्देश में पूरी टीम द्वारा एचआईवी के रोकथाम में सामुदायिक स्तर और विशेष वर्गों की उचित ज्ञान व जानकारी संपर्क कर लगातार प्रयास किया जा रहा है। विश्व एड्स दिवस पर कला जत्था कार्यक्रम, नाट्य, रंगोली प्रतियोगिता, हस्ताक्षरी, चित्रकला प्रतियोगिता, आदि गतिविधियां की गई। कार्यक्रम में ट्रकर्स/माइग्रेंट परियोजना प्रबंधक थबीर सिंह चंदेल, म.यौ.क. परियोजना प्रबंधक श्रीमती निशा मंडल, परामर्शदाता निलेश भारती, गीता नाग, एम. एंड.ई मनीषा कश्यप, संतोष पटेल, आउटरीच वर्कर अमलसाय नेताम, आसमान कश्यप, खुशबोराम कश्यप, शर्मिला खुदराम, सुखविंदर कौर, रोशनी चालकी, दीपिका मरकाम, पियर चंपा ठाकुर, एवं सत्यवती महापात्र, की उपस्थिति रही।

देश में बिगड़ते सामाजिक हालात पर गहरी चिंता

जगदलपुर, 03 दिसंबर (दण्डकारण्य समाचार)। नई दिल्लीः देश में मंदिरों, मस्जिदों और दरगाहों जैसे धार्मिक स्थलों पर बढ़ते विवाद और तनाव पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए आम आदमी पार्टी के नेता समीर खान ने कहा है कि इस तरह की घटनाएं देश की गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचा रही हैं। उन्होंने कहा कि हालात को संभालने और ऐसे मुद्दों पर राजनीति करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने की जिम्मेदारी केंद्र सरकार और सत्तारूढ़ दल भाजपा की है।

श्री खान ने कहा, आज जिस तरह से मंदिरों और मस्जिदों में सांप्रदायिक विवाद पैदा किए जा रहे हैं और अब दरगाहों में भी ऐसे ही तनाव फैलाने की कोशिश हो रही है, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह सब समाज को बांटने और राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास है, जिसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र सरकार का यह कर्तव्य है कि वह ऐसे मामलों को गंभीरता से ले और सुनिश्चित करे कि देश की शांति और सद्भावना बनी रहे। समीर खान ने चेतावनी दी कि यदि इन मुद्दों को समय रहते नहीं सुलझाया गया तो यह देश की एकता और अखंडता के लिए खतरनाक हो सकता है।

निधन

विमल कुमार तिवारी

जगदलपुर 03 दिसंबर । व्याख्याता विमल कुमार तिवारी का असामयिक निधन 27 नवंबर को हो गया । वे कुछ दिनों से अस्वस्थ थे रायपुर में उनका ईलाज चल रहा था । ईलाज से पहले स्वास्थ्य में सुधार होने लगा था फिर अचानक स्वास्थ्य बिगड़ गया और वे असमय ही परलोक सिधार गये ।

1 दिसंबर को छत्तीसगढ़ी साहित्य समिति के बस्तर जिला इकाई के तत्वाधान में अँचल के साहित्यकारों ने शासकीय जिला ग्रंथालय में एकत्रित होकर 2 मिनट का मौन धारण कर दिवंगत को श्रद्धा.सुमन अर्पित किया ।

सीएमएचओ ने किया सीएचसी नानगुर का औचक निरीक्षण

✷ कर्मचारियों को समय पर उपस्थित होने की दी समझाइश

जगदलपुर, 3 दिसम्बर (दण्डकारण्य समाचार)। सीएमएचओ डॉ,संजय बसाक द्वारा बस्तर जिले के स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्था सुधारने को लेकर निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में डॉक्टर संजय बसाक द्वारा शुक्रवार को सीएचसी नानगुर का औचक निरीक्षण किया गया। इसके अंतर्गत आने वाले सीएचसी नानगूर , पीएचसी कुरंदी ,और एसएचसी साड़गुड़ का दौरा कर,गैर संचारी रोग,आयुष्मान कार्ड, क्षेत्र में संक्रामक रोगों की स्थिति जानने के लिए लोगों के एचआरपी के बारे में जानकारी लिया। इसके साथ ही स्वास्थ्य केन्द्रों के साफ-सफाई और कर्मचारियों के समय पर ड्यूटी आने और मरीजों से अच्छे व्यवहार की समझाइश दी गई। इस दौरान बीएमओ डॉ, दरियो ,शकील खान उपस्थित रहे।

पीडियाट्रिक टीबी विषय पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

✷ टीबी जांच के लिये गैस्ट्रिक एस्पीरेट तकनीकी प्रक्रिया के बारे में किया प्रशिक्षित

✷ बच्चों में टीबी उन्मूलन लिए समाज में जागरुकता लानी होगी - डॉ. सी.आर.मैत्री

जगदलपुर, 03 दिसंबर (दण्डकारण्य समाचार)। बस्तर को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य को साकार करने के लिये स्वास्थ्य विभाग लगातार प्रयासरत है। इसी दिशा में लेप्रा सोसाइटी (साथी) पार्टनर के द्वारा, जिला टीबी सेल के सहयोग से महारानी अस्पताल के गुण्डाधुर सभागार में, पीडियाट्रिक टीबी विषय पर एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण (टीओटी) का आयोजन किया गया। सीएमएचओ डॉ. संजय बसाख ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के सम्बंध में जानकारी देते हुए बताया,कि च्छोटे बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग होने की जरूरत है। श्वसन सम्बन्धी गम्भीर रोगों में शामिल टीबी, एक संक्रामक रोग है। इसका खतरा बच्चों में भी बढ़ रहा है । आज आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रखंड स्तरीय संस्थाओं और निजी स्वास्थ्य संस्थाओं में प्रीजम्टीव पीडियाट्रिक टीबी की पहचान व गाइडलाइन के अनुरूप चिकित्सीय उपचार सुनिश्चित कराना है। मुख्य प्रशिक्षक के रूप में जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. सी.आर.मैत्री ने सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम की रूपरेखा और टीबी उन्मूलन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।